स्किल ओरिएंटेड कोर्स • छात्रों को करना होगा 90 फीसदी प्रैक्टिकल और 10 प्रतिशत थ्योरी

डीएवीवी : डिजिटल मार्केटिंग, कस्टमर मैनेजमेंट स्किल सहित सौ से ज्यादा शॉर्ट टर्म कोर्स होंगे शुरू

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी का पंडित दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास केंद्र नए साल में 100 से ज्यादा नए शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू करेगा। सालभर में यह कोर्स अलग-अलग चरणों में चलाए जाएंगे। खास बात यह है कि इन कोर्स में छात्रों को 90 फीसदी प्रैक्टिकल कराया जाएगा, जबकि 10 फीसदी थ्योरी रहेगी। ज्यादातर कोर्स स्किल ओरिएंटेड रहेंगे। इन कोर्स के बाद छात्र को डीएवीवी की तरफ से सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। कई छात्रों को मौके पर भी पार्ट टाइम जॉब भी मिलेगी, क्योंकि इन कोर्स में छात्रों को पढ़ाने के लिए विशेषज्ञ के तौर पर इंडस्ट्री से जुड़े एक्सपर्ट आएंगे, जो 100 कोर्स मंजूर किए गए हैं, उनमें डिजिटल मार्केटिंग, एडवांस एक्सेल, कस्टमर मैनेजमेंट स्किल, इंड्रायड प्रोग्रामिंग, साइबर सिक्युरिटी, टेलीग्राफी, स्टार्टअप्स, पेपर बैग मेकिंग, इंश्योरेंस एजेंट, प्लंबिंग स्किल, वेजिटेबल एंड फूड पैकिंग, कम्युनिकेशन स्किल, कोलाज मेकिंग स्किल, अंग्रेजी भाषा और बेसिक कम्प्यूटर जैसे एडवांस कोर्स शामिल हैं।

यूजीसी से अप्रूव्ड कोर्स

- न्यूनतम 50 और अधिकतम 80 छात्र एक बैच में हो सकते हैं शामिल।
- लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के 80 कम्प्यूटर प्रैक्टिकल के सेंटर में हैं
- 30 दिन की अधिकतम मियाद कोर्स की। जरूरत पड़ने पर छात्रों को अलग से भी देते हैं समय।
- यूजीसी से अप्रूव्ड हैं कोर्स। कौशल विकास केंद्र पर हर फील्ड के विशेषज्ञ होते हैं शामिल।

सौ रुपए से तीन हजार तक फीस प्लेसमेंट के लिहाज से है अहम

यूनिवर्सिटी का कहना है कि किसी भी कोर्स की फीस तीन हजार रुपए से ज्यादा नहीं होगी। सामान्य तौर पर सौ, दो सौ और पांच सौ रुपए फीस तय की गई है, लेकिन कुछ खास और महीनेभर चलने वाले प्रमुख कोर्स की फीस एक हजार से तीन हजार तक तय रहेगी। केंद्र की हेड डॉ. माया इंगले का कहना है कि इन कोर्स में ज्यादातर वे लोग शामिल होते हैं जो पहले से जॉब कर रहे हैं। ऐसे में जॉब से संबंधित स्किल बढ़ाने के लिए यह कोर्स अहम है। वर्तमान छात्रों के प्लेसमेंट के लिहाज से भी यह कोर्स अहम है। छात्र जब कंपनी के समक्ष जब वे इस कोर्स का सर्टिफिकेट दिखाएंगे या इंटरव्यू के दौरान जब उनका नॉलेज सामने आता है तो प्लेसमेंट में दिक्कत नहीं आती।

डिमांड के हिसाब से कर रहे कोर्स का चयन- डॉ. इंगले

ज्यादातर कोर्स ऐसे हैं, जिनकी ट्रेनिंग के लिए इंडस्ट्री से जुड़े विशेषज्ञ आते हैं। ऐसे में कई छात्रों को मौके पर ही पार्ट टाइम जॉब या जॉब ट्रेनिंग के ऑफर मिल जाते हैं। डॉ. इंगले के अनुसार हम कोर्स का चयन डिमांड के हिसाब से कर रहे हैं। जिस स्किल के छात्रों की जरूरत कंपनियों को है, हम उसी स्किल से जुड़े कोर्स शुरू कर रहे हैं।

भास्कर एक्सपर्ट

डॉ. अवनीश पांडेय
एमएचआरडी के सदस्य

प्लेसमेंट से वंचित छात्रों के लिए 5 और विकल्प शुरू होंगे

यूजीसी ने उन कॉलेजों और यूनिवर्सिटी के टीचिंग विभागों में पढ़ाई कर रहे औसत (45 से 60 फीसदी तक अंक वाले) छात्रों के लिए तीन-चार साल में ऐसे विकल्प दिए हैं, जो उनकी जॉब में मददगार साबित हो रहे हैं। ये सारे विकल्प सफल रहे हैं। इसलिए अब यूजीसी पांच और विकल्पों पर काम कर रहा है। अभी जो विकल्प हैं, उनमें बहुत सारे सर्टिफिकेट कोर्स, मूक (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स), शॉर्ट टर्म कोर्स, जॉब से संबंधित ट्रेनिंग, इंक्यूबेशन सेंटर में स्टार्टअप शुरू करने के प्रोजेक्ट टिप्स और कम्युनिकेशन स्किल ट्रेनिंग शामिल हैं। इसका फायदा छात्र उठा रहे हैं। अब पांच विकल्प और मिलेंगे। यह हिंदी-अंग्रेजी भाषा पर पकड़ मजबूत करने, इंटरव्यू स्किल डेवलप करने, स्टेट एवं सेंट्रल गवर्नमेंट की छात्रों के लिए लागू सारी स्कीम से अपडेट रखने संबंधी विकल्प होंगे। इन्हें यूनिवर्सिटी के लिए लागू करना अनिवार्य होगा। वैसे यहां की ज्यादातर स्टेट यूनिवर्सिटी मूक कोर्स, शॉर्ट टर्म कोर्स, बीवोक कोर्स सहित अभी तक लागू सारी जॉब ओरिएंटेड योजनाओं को लागू कर चुकी हैं।

एमबीए थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा 31 दिसंबर और फर्स्ट की 2 जनवरी से

इंदौर | सीए और सीएस की परीक्षा की तारीखों से टकराव के चलते डीएवीवी की सेमेस्टर परीक्षाएं तय शेड्यूल से दो सप्ताह देरी से शुरू हो पाएंगी। प्रबंधन ने शनिवार शाम [illegible] का शेड्यूल जारी कर दिया। इधर, प्रबंधन खत्म [illegible] या जारी परीक्षाओं का रिजल्ट [illegible] देने की तैयारी में जुट गया है। नए शेड्यूल के अनुसार एमबीए फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा 2 जनवरी से, जबकि एमबीए थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा 31 दिसंबर से शुरू होगी।

बीए-एलएलबी की तीसरे, पांचवें और सातवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 23 व 24 दिसंबर से शुरू हो पाएंगी। एलएलबी की सेमेस्टर परीक्षाओं का शेड्यूल भी यही रहेगा। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशेष तिवारी ने बताया बीए-एलएलबी की परीक्षा का समय ऐसा रखेंगे कि एक-दो परचे की तारीखें सीए-सीएस परीक्षा के साथ भी आ जाएं तो छात्रों को परेशानी न हो।

केंद्र सरकार ने डीएवीवी में माँ अहिल्या के नाम से पीठ स्थापित करने की बात कही

इंदौर।

एक प्रतिष्ठित महिला प्रशासक के रूप में मराठा मालवा साम्राज्य की एक पूर्व रानी देवी अहिल्या बाई होल्कर को मान्यता देते हुए, केंद्र सरकार ने उनके नाम पर एक कुर्सी स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्रालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को देवी अहिल्या बाई पर शोध करने के लिए तैयार विश्वविद्यालय में कुर्सी स्थापित करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

पीठ के शैक्षणिक कार्य अनुसंधान में संलग्न होंगे और बदले में, अध्ययन के क्षेत्र में ज्ञान की उन्नति में योगदान करेंगे; सार्वजनिक नीति निर्माण में विश्वविद्यालय या शिक्षाविदों की भूमिका को मजबूत करने के लिए।

उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए अल्पकालिक क्षमता-निर्माण कार्यक्रमों को डिजाइन और निष्पादित करने के लिए पीठ के निर्दिष्ट अनुशासन की ओर ध्यान केंद्रित किया।

इसके अलावा, पीठ को अंतर-विश्वविद्यालय या इंटर-कॉलेजिएट पोस्ट ग्रेजुएट और रिसर्च स्तर के संवाद, चर्चा बैठकों और सेमिनारों के लिए एक मंच प्रदान करना होगा।

यूजीसी सचिव रजनीश जैन द्वारा जारी एक सार्वजनिक नोटिस में कहा गया है कि पीठ के लिए 100प्रतिशत धनराशि आयोग द्वारा पांच वर्षों के लिए किया जाएगा जो कि यूजीसी के मानदंडों के अनुसार आगे के पांच वर्षों के लिए विस्तार योग्य होगा।

इसके अलावा, लीलावती (गणित), लाल डेड कविता और रहस्यवाद के नाम पर नौ और कुर्सियां, अमृता देवी (वन / वन्यजीव संरक्षण), आनंदीबाई गोपालराव जोशी (चिकित्सा और स्वास्थ्य), हंसल मेहता (शैक्षिक सुधार), महादेवी वर्मा (साहित्य)), कमला सोहोनी (विज्ञान), रानी गाइदिन्ल्यू (स्वतंत्रता सेनानी) और मदुरै शन्मुक्कादिवु सुब्बुलक्ष्मी (संगीत और प्रदर्शन कला)। डीएवीवी देवी अहिल्या विश्व विद्यालय जो देवी अहिल्या बाई के नाम पर है, पीठ के लिए आवेदन करेगी।

डीएवीवी के कुलपति प्रोफेसर रेणु जैन ने कहा कि उनके पास पहले से ही अहिल्या बाई सोढ़ा पीठ है। हम देवी अहिल्या बाई के नाम पर उस पीठ को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में परिवर्तित करने के लिए आवेदन करेंगे। विश्वविद्यालय ने मालवा की तत्कालीन रानी के बारे में सभी साहित्य को डिजिटल कर दिया है। यदि विश्वविद्यालय को पीठ मिलती है, तो यह देवी अहिल्या बाई पर साहित्य के लिए राष्ट्रीय आकर्षण बन जाएगा। एक गणितज्ञ, जैन ने कहा कि वे गणित के अनुशासन में लीलावती की पीठ के लिए भी आवेदन करेंगे और साहित्यिक अनुशासन में महादेवी वर्मा की पीठ पर।